Page No. 1/10	Subject Code J-313	Seat No.							

H

DATE : 29/06/2026

Time : 11.00 - 2.00

SUBJECT : BOOK KEEPING AND ACCOUNTANCY (50)

DURATION : 3 Hours | TOTAL PAGES : 10 | TOTAL MARKS : 80

प्र. १. निम्नलिखित में से सभी उपप्रश्नों को हल कीजिए : २०

(अ) दिए गए पर्यायों में से उचित पर्याय चुनकर विधान पुन: लिखिए : (५)

(i) ——— यह अदृश्य संपत्ति है।

(अ) ख्याति (ब) स्कंध

(क) रोक (ड) फर्नीचर

(ii) आय के व्यय पर आधिक्य को ——— कहते हैं।

(अ) हीनता (ब) लाभ

(क) अतिरेक (ड) हानि

(iii) संपत्ति के मूल्य में कमी होने पर पुनर्मूल्यांकन लेखा ——— किया जाता है।

(अ) विकलित (ब) समाकलित

(क) समान (ड) अधिक

(iv) विपत्रालोकी (Notary public) ——— होता है।

(अ) सरकारी अधिकारी (ब) पृष्ठांकिती

(क) आदाता (ड) आहार्ता

(v) सावधि जमा (Fixed deposit) लेखा ——— के समूह में आता है।

(अ) विनियोग (ब) अधिकोष लेखा

(क) चालू देयताएँ (ड) चालू संपत्तियाँ

(ब) निम्नलिखित विधानों के लिए एक शब्द / शब्द समूह अथवा संज्ञा लिखिए : (५)

(i) वह व्यय जो दत्त होने के पूर्व ही किया जाता है।

(ii) ऐसी प्राप्तियाँ जो आवर्ती स्वरूप की नहीं हैं।

(iii) साझेदार के प्रवेश में वह अनुपात जिसमें सामान्य संचिति पुराने साझेदारों में बाँट दी जाती है।

(iv) साझेदारी व्यवसाय का समाप्त होना।

(v) अंशों का अंकित मूल्य पर निर्गमन।

(क) विधान पूर्ण कीजिए : (५)

(i) साझेदारी व्यवसाय में साझेदारों की देयता ——— होती हैं।

(ii) पूना विश्वविद्यालय लाभ-हानि लेखे के स्थान पर ——— लेखा तैयार करता है।

(iii) जो व्यक्ति विपत्र लिखता है (जारी करता है) उसे ——— कहते हैं।

(iv) पुनर्मूल्यांकन लेखे को ——— लेखा भी कहा जाता है।

(v) $\text{चालू अनुपात} = \frac{\text{---------}}{\text{चालू देयताएँ}}$

(ड) निम्नलिखित विधान से आप सहमत या असहमत हैं, लिखिए : (५)

(i) नि:शुल्क वितरित वस्तुएँ व्यापार लेखे को विकलित की जाती हैं।

(ii) लाभ न कमाना यह लाभ न कमानेवाली संस्था का उद्देश्य होता है।

(iii) ख्याति का अपलेखन करते समय ख्याति लेखा विकलित किया जाता है।

(iv) समापन के समय रोक/अधिकोष (बैंक) लेखा अपने आप बंद होता है।

(v) मृत साझेदार का संस्था की ख्याति पर अधिकार नहीं होता।

प्र. २. **कौस्तुभ और केतन साझेदार हैं, जो लाभ-हानि १ : १ के अनुपात में विभाजित करते हैं। ३१ मार्च, २०२३ को उनका स्थिति विवरण निम्नप्रकार से था:** **१०**

३१ मार्च, २०२३ का स्थिति-विवरण

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ	राशि (₹)
पूँजी लेखे :		भवन	१,२०,०००
कौस्तुभ	२,००,०००	यंत्र व संयत्र	१,४०,०००
केतन	२,८०,०००	विनियोग	४८,०००
		अधमर्ण	५२,०००
उत्तमर्ण	६८,०००	स्कंध	८०,०००
देय विपत्र	५२,०००	रोक	१,६०,०००
	६,००,०००		**६,००,०००**

१ अप्रैल, २०२३ को प्रणव ने निम्नलिखित शर्तों के आधार पर भविष्य में १/५ लाभ के लिए संस्था में प्रवेश किया:

(i) संस्था की ख्याति का मूल्य ₹ ४,००,००० लगाया गया। प्रणव को उसके हिस्से की ख्याति की राशि रोक में लानी पड़ेगी।

(ii) प्रणव को उसके हिस्से की पूँजी के ₹ २,००,००० लाने हैं।

(iii) अधमर्णों पर १०% संदिग्ध ऋणार्थ संचिति का आयोजन कीजिए।

(iv) भवन का मूल्य ₹ १,६०,००० लगाया गया।

(v) स्कंध और यंत्र व संयंत्र को २०% से कम करना है।

तैयार कीजिए : (अ) पुनर्मूल्यांकन लेखा
(ब) साझेदारों के पूँजी लेखे
(क) नई संस्था का स्थिति विवरण

अथवा

निम्नलिखित स्थिति विवरण सागर, सूरज और साहिल का है, जो लाभ-हानि समान रूप से विभाजित करते हैं:

स्थिति-विवरण ३१ मार्च, २०२३ को

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ		राशि (₹)
पूँजी लेखे :		भवन		१,४०,०००
सागर	८७,२००	यंत्र व संयत्र		२०,०००
सूरज	७०,०००	संगणक (कम्प्यूटर)		३५,०००
साहिल	६४,०००	ख्याति		२४,०००
सुरक्षित संचिति	२७,०००	अधमर्ण	३६,०००	
उत्तमर्ण	६१,८००	(-) सं. ऋ. सं.	१,८००	३४,२००
		अधिकोष		५६,८००
	३,१०,०००			**३,१०,०००**

१ अप्रैल, २०२३ को साहिल संस्था से निम्नलिखित शर्तों पर निवृत्त हुआ:

(i) यंत्र व संयत्र का पुनर्मूल्यांकन ₹ १८,८०० किया गया।

(ii) भवन का मूल्य १०% से बढ़ाया जाए और संगणक (कम्प्यूटर) का मूल्य ₹ ३,८०० से कम किया जाए।

(iii) सभी अधमर्ण शोधनीय होने के कारण सं. ऋ. सं. की आगे कोई आवश्यकता नहीं है।

(iv) संस्था की ख्याति का मूल्य ₹ ३६,००० निश्चित किया जाना है।

(v) साहिल को देय राशि उसके ऋण लेखे में स्थानांतरित की जानी है।

तैयार कीजिए : (अ) लाभालाभ समायोजन लेखा

(ब) साझेदारों का पूँजी लेखा

(क) नई संस्था का स्थिति विवरण

प्र. ३. **३१ मार्च, २०२३ को मे.भूमि, भूपाल और बिपिन का स्थिति विवरण निम्नलिखित रूप से था:** **१०**

स्थिति-विवरण ३१ मार्च २०२३ को

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ	राशि (₹)
पूँजी लेखे :		संगणक (कम्प्यूटर)	११,०००
भूमि	१५,०००	फर्नीचर	४५,०००
भूपाल	११,०००	स्कंध	५३,०००
भूमि का ऋण लेखा	२५,०००	अधिकोष (बैंक)	७,०००
देय विपत्र	८५,०००	बिपिन का पूँजी लेखा	२०,०००
	१,३६,०००		**१,३६,०००**

देयताओं का शोधन करने में असक्षम होने के कारण सभी साझेदार दिवालिया घोषित होने पर संस्था का समापन किया गया। भूपाल और बिपिन कुछ भी भुगतान नहीं कर सके। भूमि अपनी निजी संपत्ति से ₹ ८,००० ही दे पाई।

संपत्ति की वसूली निम्न प्रकार से हुई:

स्कंध ₹ ३५,०००; फर्नीचर ₹ ३७,०००; संगणक (कम्प्यूटर) ₹ ६,००० में विक्रय किया गया। समापन व्यय की राशि ₹ ११,००० हुई।

संस्था की लेखा पुस्तकों को बंद करने के लिए आवश्यक लेखे तैयार कीजिए।

अथवा

सुरेखा ने सुमन को ₹ २०,००० की वस्तुओं का उधारी पर विक्रय किया जिसके लिए सुमन ने ३ माह का विपत्र स्वीकृत किया। उसी दिन सुरेखा ने विपत्र को अपने बैंक से १०% प्रतिवर्ष की दर से पूर्वप्रापित (discounted) किया।

दातव्य तिथि पर सुमन ने सुरेखा से अनुरोध किया कि वह ₹ ८,००० और ब्याज के ₹ १,००० स्वीकृत करे और शेष राशि के लिए २ माह का नया विपत्र जारी करे। सुरेखा ने प्रस्ताव स्वीकृत किया।

सुमन ने दातव्य तिथि के पूर्व ₹ ११,८०० का शोधन करके अपनी स्वीकृति का निवर्तन किया।

सुरेखा की पुस्तकों में आवश्यक पूँजी प्रविष्टियाँ दीजिए।

प्र. ४. **प्रवीण, प्रशांत और सुशील साझेदार हैं जो लाभ और हानि क्रमशः ५ : ३ : २ के अनुपात में विभाजित करते हैं। ३१ मार्च, २०२२ को उनका स्थिति-विवरण निम्न प्रकार से था:** ८

३१ मार्च, २०२२ का स्थिति-विवरण

देयताएँ (₹)	राशि	संपत्तियाँ (₹)	राशि
पूँजी लेखे :		खुले उपकरण	१,००,०००
प्रवीण	२,००,०००	अधमर्ण	३,००,०००
प्रशांत	१,५०,०००	पशुधन (livestock)	२,००,०००
सुशील	१,००,०००	रोक	१,५०,०००
सुरक्षित संचिति	५०,०००		
उत्तमर्ण	२,५०,०००		
	७,५०,०००		**७,५०,०००**

३१ मार्च, २०२२ को सुशील की मृत्यु हुई और साझेदारी संलेख के अनुसार निम्नलिखित समायोजनाएँ स्वीकृत की गईं :

(i) उत्तमर्णों के ₹ २०,००० बढ़ाए गए।

(ii) ख्याति का आगणन पिछले ३ वर्ष के औसत लाभ के २ वर्ष के क्रय के बराबर तय हुआ।

पिछले ३ वर्ष का लाभ था : २०१९-२० ₹ १,८०,०००
२०२०-२१ ₹ १,२०,०००
२०२१-२२ ₹ १,२०,००० (हानि)

सुशील को ख्याति का हिस्सा दिया जाना था।

(iii) खुले उपकरण का मूल्य ₹ १,६०,००० और पशुधन का मूल्य ₹ २,४०,००० लगाया गया।

(iv) सं. ऋ.. सं. का आयोजन ₹ २०,००० किया गया।

तैयार कीजिए : (अ) पुनर्मूल्यांकन लेखा।

(ब) सुशील का पूँजी लेखा उसके उत्तराधिकारी को देय राशि के साथ।

(क) सुशील के ख्याति में हिस्से की गणना की कार्य टिप्पणी (working) दर्शाइए।

अथवा

संगणकीय लेखांकन प्रणाली का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

प्र. ५. फिनोलेक्स कं. लि. ने ₹ १० के ५०,००० समता अंशों के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए, जिसके लिए निम्न प्रकार से राशि देय थी : ८

आवेदन सहित ₹ ३/-

आवंटन पर ₹ ५/-

प्रथम व अंतिम याचना पर ₹ २/-

६०,००० समता अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। सभी को आनुपातिक विधि से आवंटन किया गया।

सभी राशि प्राप्त हुई केवल श्री. राहुल ५,००० समता अंशों पर प्रथम और अंतिम याचना राशि का शोधन नहीं कर पाए। शेष सभी अंशों पर याचित संपूर्ण राशि प्राप्त हुई है।

उपरोक्त व्यवहारों की पंजी प्रविष्टियाँ कंपनी की पुस्तकों में कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर चालू अनुपात, सकल लाभ अनुपात और शुद्ध लाभ अनुपात की गणना कीजिए:

अधमर्ण	–	२,५०,०००
उत्तमर्ण	–	१,२०,०००
स्कंध	–	१,५०,०००
देय विपत्र	–	५०,०००
हस्तस्थ रोक	–	२,००,०००
अधिकोष अधिविकर्ष	–	३०,०००
शुद्ध विक्रय	–	१६,००,०००
सकल लाभ	–	८,००,०००
शुद्ध लाभ	–	४,००,०००

प्र. ६. अथर्व आर्ट सर्कल, सिंधुदुर्ग, १ अप्रैल, २०२२ को स्थापित एक नई संस्था है। उनका प्राप्ति-शोधन लेखा निम्नलिखित था: १२

प्राप्ति-शोधन लेखा

३१ मार्च, २०२३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए

विक. **समा.**

प्राप्ति	राशि (₹)	शोधन	राशि (₹)
आजीवन सदस्यता शुल्क	६६,०००	फर्नीचर	३६,०००
		डाक व्यय	१२,०००
सदस्यता शुल्क	१,२०,०००	कार्यालय किराया	७,८००
		समाचार-पत्र	९००
		विद्युत व्यय	१,६८०

दान राशि	५४,०००	विनियोग	९,०००
		लेखन सामग्री	१२,०००
		लैपटॉप	१८,०००
		यंत्र व संयंत्र	२०,०००
		वेतन	१०,०००
		आधिक्य अ./नी.	
		हस्तस्थ रोक	२२,६२०
		(बैंक) अधिकोषस्थ-रोक	९०,०००
	२,४०,०००		**२,४०,०००**

समायोजनाएँ :

(i) वर्ष २०२२-२३ के लिए अप्राप्त सदस्यता शुल्क ₹ १५,००० है।

(ii) फर्नीचर पर १०% वार्षिक दर से अवक्षयण लगाइए।

(iii) आजीवन सदस्यता शुल्क की संपूर्ण राशि तथा ५०% दान की राशि का पूँजीकरण करना है।

३१ मार्च, २०२३ को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा और उसी तिथि का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

प्र. ७. जयेश और रूपेश साझेदार हैं जो लाभ-हानि ३ : २ के अनुपात में बाँटते हैं। **१२**

निम्नलिखित परीक्षा सूची और अतिरिक्त जानकारी के आधार पर ३१ मार्च, २०२३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए व्यापार और लाभ-हानि लेखा तथा उसी तिथि का स्थिति विवरण बनाइए:

परीक्षा-सूची

३१ मार्च, २०२३ को

विकलनाधिक्य	राशि (₹)	समाकलनाधिक्य	राशि (₹)
क्रय/खरीदी	१,६३,०००	विक्रय	२,२०,०००
अधमर्ण	४५,०००	उत्तमर्ण	४७,०००
सामान्य व्यय	८,०००	निर्गत प्रत्याय	३,०००
स्कंध (०१-०४-२२ को)	३५,०००	पूँजी :	
परिसर	१,३०,०००	जयेश	१,२०,०००
किराया (१० माह के लिए)	२०,०००	रूपेश	८०,०००
उत्पादक मजदूरी	५,०००		
फर्नीचर	४०,०००		
(०१-१०-२०२२ को			
₹ २०,००० की वृद्धि)			
अधिकोषस्थ (बैंक) रोक	२४,०००		
	४,७०,०००		**४,७०,०००**

समायोजनाएँ :

(i) अंतिम स्कंध का मूल्य ₹ ३८,००० लगाया गया।

(ii) फर्नीचर पर १०% प्रतिवर्ष दर से अवक्षयण लगाइए।

(iii) पूँजी पर ५% दर से वार्षिक ब्याज लगाना है।

(iv) नमूने के रूप में ₹ २,००० की वस्तुएँ नि:शुल्क वितरित की गईं।

◆◆◆